DOON PUBLIC SCHOOL BHUJ

HOME ASSIGNMENT

नोट: ग्रीष्मकालीन अवकाश (8 मई से 30 मई तक) में नीचे दिया गया कार्य छात्र अपनी पाठ्यपुस्तिका एवं नोटबुक में करेंगे | कार्य करते समय स्वच्छता एवं अक्षरों की बनावट और सुंदरता का ध्यान रखा जाएगा |

पाठ-1 मेरे देश के लाल

(पाठ्यपुस्तिका-अभ्यास कार्य)

पाठ-चर्चा

बताइए –

प्र:1 इस कविता के रचनाकार का नाम क्या है ?

उ:1 इस कविता के रचनाकार का नाम बालकवि बैरागी है |

प्र:2' देश के लाल' हठीले क्यों बताए गए हैं ?

उ:2 देश के लाल हठीले इसलिए बताए गए हैं क्योंकि वे देश की रक्षा के लिए कुछ भी कर सकते हैं |

प्र:3 कौमी गीत क्या होता है ? HOTS

उ:3 देश भक्ति से ओत-प्रोत काव्य को कौमी गीत कहते हैं |

लिखिए –

क, कुछ शब्दों में

1.माँ की खातिर मर जाना अर्थात - मातृभूमि के लिए बलिदान देना

2. करके अपना वचन निभाना अर्थात - अपने वादे पूरे करना

3, आज़ादी अधिकार सभी का अर्थात - स्वतंत्रता सबका अधिकार है

ख. काव्यांश

1. 'दूध-दही की नदियाँ' का अर्थ है - देश में बहुत समृद्धि और खुशहाली है |

2.धरती किन चीज़ों से पटी पड़ी है ? धरती हीरा,पन्ना,माणिक आदि से पटी पड़ी है |

3,काव्यांश का मूल भाव तीं पंक्तियों में लिखिए |

इस काव्यांश से हमें भारत की समृद्धि और खुशहाली के बारे में पता चलता है | इससे हमें यह भी पता चलता है कि यहाँ कितने मेहनती लोग हैं और भारत ने कितनी तरक्की की है |

भाषा मंजूषा

1.नीचे दिए गए शब्दों से ऐसे वाक्य बनाइए जिनसे उनके अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हो जाएँ –

क. लाल – हमारे देश के लाल हमारी रक्षा करते हैं।

लाल – मुझे लाल रंग बहुत पसंद है।

ख. माँग - गर्मियों में बिजली की माँग बढ़ जाती है।

माँग – स्त्रियाँ माँग में सिन्दूर भरती हैं।

ग. कल – कल हम घूमने जाएँगे।

कल – मशीनों में अनेक कल पुर्जे होते हैं।

घ. मान – हमें अपने गुरु का मान करना चाहिए।

मान – मैंने पिताजी की बात मान ली।

2. प्रत्येक के दो-दो पर्यायवाची लिखिए –

दूध	–	दुग्ध	क्षीर	**पानी** - जल	नीर
धरती	–	भूमि	धरा	**माँ** - माता	जननी
हिमालय	–	गिरिराज	पर्वतराज	**शीश** – सिर	मस्तक
मेघ	-	बादल	घन	**विश्व** – दुनिया	जग

3.विलोम लिखिए –

आज़ादी – गुलामी	**उच्च** - निम्न	**शिखर** - तल
हँसते - रोते	**अहिंसा** – हिंसा	**धरती** - अंबर
शुभ - अशुभ	**शांति** - अशांति	**मरना** – जीना

व्याकरण एवं अनुप्रयोग

दिए गए अर्थ के लिए उचित मुहावरे पर सही ✓ का निशान लगाइए –

1.अपनी ही बातें करते रहना

क. आँखें चुरा लेना

ख. अपना ही राग अलापना ✓

ग. अपना उल्लू सीधा करना

घ. अँगूठा दिखाना

2.बहुत आदर करना

क.आँखें दिखाना **ख.** आँखों से गिरना **ग.** आँखें चुरा लेना **घ.** आँखें बिछाना ✓

3. बहुत अभिमान करना

क. आसमान पर चढ़ना ✓

ख. आकाश के तारे तोड़ना

ग. आकाश से बातें करना

घ. आकाश को छूना

4. क्रोध को बढ़ाना

क.आपा खोना **ख.** आग में घी डालना ✓ **ग.** ऊँची-ऊँची हाँकना **घ.** उँगली पर नचाना

(नोटबुक-कार्य)

कठिन शब्द

1. मणिक
2. हठीले
3. झुकाना
4. आँचल
5. कल्याणी
6. शिखर
7. ध्वजा
8. गँवाना
9. फहरती
10. कौमी गीत (प्रादेशिक गीत)

अधिकतम शब्दों में -

1. 'मेरे देश के लाल' से कवि का संकेत किस ओर है ?

उत्तर - 'मेरे देश के लाल' से कवि का संकेत देशवासियों विशेषकर सैनिकों की ओर है |

2. शान से कैसे जिया जा सकता है ?

उत्तर – मन में साहस हो , स्वाभिमान हो , किसी केसामने सिर न झुकाना पड़े , तभी शान से जिया जा सकता है |

3. 'अहिंसा का पानी' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर – प्राणी मात्र के प्रति दया , करुणा , प्राण रक्षा का भाव जो भारतीय संस्कृति का मूल भाव भी है |

4. भाव लिखिए –

i. विश्व शांति के गीत सुनाती जहाँ चुनरिया ये धानी

उत्तर – भारत स्वयं शांति से रहता है और सारे विश्व को शांति का संदेश देता है |

ii. आज़ादी अधिकार सभी का जहाँ बोलते सेनानी

उत्तर –यहाँ के सैनिक जानते हैं कि स्वतंत्रता हर देशवासी का अधिकार है | इसलिए वे देश की रक्षा करते हैं |

5. मातृभूमि के लिए लोग क्यों मर मिटते हैं ?

उत्तर – देश माँ के सामान होता है | देश की रक्षा करने के लिए प्राणों का भी बलिदान देना किसी भी देश प्रेमी को अपना पहला कर्त्तव्य लगता है |

मूल्याधारित प्रश्न (नोट - छात्र स्वयं करेंगे |)

प्र:1. किसी भी नागरिक के लिए देश क्या महत्त्व रखता है ?

उत्तर – **(छात्र स्वयं करें)**

पाठ-2 सरस्वती पाठशाला

(पाठ्यपुस्तिका-अभ्यास कार्य)

पाठ-चर्चा

बताइए –

प्र:1 सरस्वती पाठशाला कहाँ थी ?

उ:1 सरस्वती पाठशाला झाँसी में सदर बाज़ार के पास , किले के सामने थी |

प्र:2 स्कूल में बँटे मैडल की क्या विशेषता थी ?

उ:2 मैडल पीतल या तांबे के बने हुए थे | उन पर जॉर्ज पंचम की तस्वीर बनी हुई थी |

प्र:3 मास्टर स्वरूपनाथ में क्या विशिष्टता थी ?

उ:3 मास्टर स्वरूपनाथ अंग्रेज़ी के शिक्षक थे | वे नाते कद के कुशल अध्यापक थे | उनकी लिखावट बहुत सुंदर थी | वे कभी भी विद्यार्थियों को डाँटते नहीं थे |

लिखिए –

क. कुछ शब्दों में

1. **सरस्वती पाठशाला को राष्ट्रीय चेतना का गढ़ क्यों कहा गया है ?**

   उत्तर: राष्ट्रीय गतिविधियों के कारण सरस्वती पाठशाला को राष्ट्रीय चेतना का गढ़ कहा गया है |

2. **राष्ट्रीयता की लहर ने छात्र-अध्यापक संबंध कैसे बदल डाले थे ?**

   उत्तर: उनके बीच मित्रों जैसा संबंध हो गया |

ख. पाठांश

1. लेखक को किस बात का विश्वास था ? उनके स्कूल में बहुत अच्छे खिलाड़ी थे |

2. हरनारायण को कैसा गेंदबाज़ कह सकते हैं ? सबसे तेज़ गेंद फेंकने वाला

3. भीमप्रताप सिंह अपने नाम के अनुरूप थे ,कैसे ? वे लंबे, चौड़े और विशाल आकार के थे |

बहुविकल्पी प्रश्न

उचित विकल्प पर ✓ सही का निशान लगाइए -

1. **किले से लगे हुए स्थान का नाम था –**

   i. सीपरी बाज़ार ii. शीपरी iii. सदर ✓ iv. छावनी

2. **सदर से स्टेशन की दूरी थी –**

   i. दो मील ✓ ii. पाँच मील iii. छह मील iv चार मील

3. **स्कूल में जलाई गई होली में जलाए गए –**

   i. विदेशी कपड़े ii. कुरते iii. पायजामे iv टोपियाँ ✓

भाषा – मंजूषा

उपसर्ग

उपसर्ग लगाकर शब्दों का निर्माण कीजिए –

काबू आकार शासन मान अंत कृति वाद सुंदर पुत्र

बेकाबू निराकार कुशासन अपमान अनंत आकृति विवाद असुंदर कुपुत्र

उचित स्थान पर नुकता लगाइए –

इज्ज़त, फ़नकार, फ़कीर , टेलिविज़न , ज़मीन, ज़रा. मज़हब, मंज़िल, टेलीफ़ोन

(नोटबुक-कार्य)

कठिन शब्द

6. मोहल्ला
7. खपरैल
8. अधिवेशन
9. स्मरण
10. संबंध-विच्छेद

6. अमिट
7. निराकार
8. अधिकांश
9. मूर्तियाँ
10. मैकडलन

11. नहरन
12. प्रतिज्ञा
13. अभिमान
14. खूँखार
15. पर्यायवाची

अधिकतम शब्दों में -

6. सरस्वती पाठशाला राष्ट्रीय पाठशाला में कैसे परिवर्तित हो गई ?

उत्तर – सरस्वती पाठशाला ने सरकार से संबंध तोड़ दिए और राष्ट्रीय पाठशाला बन गई | पाठशाला में देशी गतिविधियाँ होने लगी और विदेशी कपड़ों (टोपियों) को जला दिया गया |

7. सरस्वती पाठशाला का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर – सरस्वती पाठशाला के राष्ट्रीय होने के दो वर्षों बाद जो वातावरण लेखक को वहाँ मिला वैसा वातावरण फिर कभी नहीं मिला | इसलिए लेखक के मन में अमिट छाप पड़ गई |

8. मास्टर शब्द मित्र का पर्यायवाची क्यों बन गया ?

उत्तर – खेल में पंजा लड़ाने में ,पढ़ाने-लिखाने में छात्रों के साथ अध्यापक भी हिस्सा लेते थे | उनके इसी मैत्रीपूर्ण व्यवहार के कारण मास्टर शब्द मित्र का पर्यायवाची बन गया |

9. आशय स्पष्ट कीजिए – प्रशंसा सुनकर मुझे अभिमान हो जाएगा |

उत्तर – मास्टर रुद्रनारायण के द्वारा लेखक की प्रशंसा किए जाने पर लेखक का विचार था कि इससे उसके मन में यह धारणा हो जाएगी कि वे अच्छी मूर्तियाँ बनाने लगे हैं | तब उन्हें अपनी कमियों का पता नहीं चलेगा |